Today's Poem – 08.08.2014

ड्रामा में है हरेक का फिक्स् पार्ट

सभी आत्मायें बजाती है अपना पार्ट

कर्मातीत है बनना

तो पूरा-पूरा सरेन्डर होना

गरीब बच्चे जल्दी सरेन्डर हो जाते

सहज ही सब कुछ भूल एक बाप की याद में रह सकते

क्रोध नहीं करना

क्रोध कोई करे तो तुम्हें शान्त रहना

बुद्धि से इस पुरानी दु:ख की दुनिया को भूल बेहद का सन्यासी बनना

शान्तिधाम और सुखधाम को याद करना

संगमयुग पर जो बाप के वर्से के अधिकारी

वही बनते स्वराज्य और विश्व राज्य अधिकारी

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!